विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग नवम विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता:-01-06-2021(एन.सी.आर.टी. पर आधारित)

पाठ: षष्ठ: पाठनाम भ्रान्तो बाल:

शब्दार्था:

मधुकरम् – भौंरे को , व्रजन्तम् – घूमते हुए को

क्रीडाहेतो: - खेलने के लिए , आह्वयत् – बुलाया

हठमाचरति – जिद करने पर , कीटेन – कीड़े से

मधुसंग्रहव्यग्रा: - मधु(पुष्प के रस के) संग्रह में लगे हुए

भूयोभूय: - बार-बार , मिथ्यागर्वितेन – झूठे गर्व वाले

चञ्च्वा - चोंच से , चटकम् – पक्षी , ते – तुम्हें

आददानम् – ग्रहण करते हुए को , स्वादूनि – स्वादिष्ट

भक्षयकवलानि – खाने के लिए उपयुक्त कौर (ग्रास)

नीड: - घोंसला , वटद्रुशाखायाम् – बरगद के पेड़ की शाखा पर

यामि – जा रहा हूँ , स्वकर्मव्यग्र: -अपने काम में व्यस्त

उक्त्वा -कहकर , वभूव – हो गया , एहि – आओ

तृणम् -तिनका (घास), त्यज – छोड़ दो , उपगच्छति – जाता है